NEW

2018

M.A.

1st Semester Examination

HINDI

PAPER—HIN-104

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

The figures in the right-hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

Illustrate the answers wherever necessary.

Answer *all* questions.

1. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 4×2

(क) 'साकेत' किस कथा परंपरा का आधुनिक रूप है। इसमें कितने सर्ग हैं ?

(ख) 'वह रे अनंत का मुक्त मीन' यह पंक्ति किस कविता की है ? यहाँ प्रयुक्त 'वह' कौन है ?

(ग) 'सरोज स्मृति' किस कोटि की कविता है ? सरोज कौन है ?

(घ) दिनकर को ज्ञानपीठ पुरस्कार किस कृति के लिए किस वर्ष मिला था ?

(ङ) 'दूसरी होगी कहानी'

यहाँ प्रयुक्त 'कहानी' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(च) 'वाणी' कविता पंत के किस काव्य में संकलित है ?

वाणी का मूल संदेश क्या है ? संक्षेप में लिखिए।

(छ) 'कामायनी' की कथा का आधार क्या है ? इसका प्रकाशन-वर्ष लिखिए।

(ज) 'विरह का जलजात जीवन' – क्यों ? संक्षेप में उत्तर लिखिए।

2. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×8

(क) 'उर्मिला के विरह-वर्णन की विचारधारा में भी मैंने स्वच्छन्दता से काम लिया है।' कवि के इस कथन की पुष्टि सोदाहरण कीजिए।

(ख) 'उर्वशी' के तीसरे सर्ग के आधार पर दिनकर की काव्य-भाषा का वैशिष्ट्य-प्रतिपादन कीजिए।

(ग) 'सुमित्रानन्दन पंत प्रकृति के कवि हैं' पठित कविताओं के आधार पर इस कथन की सार्थकता-प्रतिपादन कीजिए।

(घ) 'सब आँखों के आँसू उजले' कविता के आधार पर महादेवी वर्मा के काव्य-दर्शन पर प्रकाश डालिए।

3. किन्हीं **चार** के यथानिर्देश उत्तर लिखिए : 4×4

(क) "जिनके खेतों में है अन्न, कौन अधिक उनसे सम्पन्न ?

पत्नी सहित विचरते हैं वे, भव वैभव भरते है,

हम राज्य लिए मरते हैं।"

– ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

(ख) 'कामायनी' के 'आनन्द' सर्ग का मूल सन्देश स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'पंथ होने दो अपरिचित' – में कवयित्री का आशाय किस पंथ की ओर है ? वे उसे अपरिचित रहने देने के लिए क्यों कहती हैं ?

(घ) "मानव ! ऐसी भी विरक्ति क्या जीवन के प्रति ?

आत्मा का अपमान, प्रेत औ, छाया से रति।"

– प्रसंग सहित इन पंक्तियों का विश्लेषण कीजिए।

(ङ) "दुःख-ही जीवन की कथा रही। क्या कहूँ आज जो नहीं कही। " ये पंक्तियाँ किस कविता की हैं और इसके रचयिता कौन हैं? रेखांकित अंश का आशय स्पष्ट कीजिए।

(च) "अरे वर्ष के हर्ष!

बरस तू बरस रसधार!

पार ले चल तू मूझको,

बहा, दिखा मुझको भी निज

गर्जन-गौरव-संसार!"

– इसका भाव-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

(छ) "पुरूख पुनरस्तं परेहि,

दुरापना वात इवाहमस्मि।"

'उर्वशी' में इसका रूप किस तरह अंकित है? इसका मावार्थ लिखिए।

(ज) "कौन हो तुम वसंत के दूत विरस पतझड में अति सुकुमार!

घन-तिमिर में चपला की रेख, तपन में शीतल मंद बयार।"

– ये पंक्तियाँ कहाँ से उद्धृत हैं? इसके रचयिता का नाम लिखिए और अवतरण का शिल्प-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

———